R-1136

B.A. Third Year Private Examination, 2019-2020

SANSKRIT LITERATURE

Paper - Second

काव्य, छन्द एवं अलंकार

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 50*

Minimum Marks : 17

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

इकाई-1

(i) श्रियः कुरुणामधिपस्य पालनीं प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम्। **[5]**

स वर्णिलिंगी विदितः समायवी युधिष्ठिरं द्वैतवने वने चरः।।

अथवा

वसूनि वाञ्छन्न वशी न मन्युना स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।

गुरुपदिष्टेन रिपौ सुर्तऽपि वा निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्।।

अथवा

अवन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां भवन्ति वश्याः
स्वयमेवदेहिनः।
अमर्ष शून्येन जनस्य जन्तुना न जात हार्देन न
विद्विषादरः।।

अथवा

विहाय शान्तिं नृपधाम तत्पुनः प्रसीद सन्धेहि
वधायविद्विषाम्।
व्रजन्ति शत्रूनवधूय निःस्प्रहाः शमेन सिद्धिं मुनयो
न भूभृतः।।

(ii) महाकवि भारवि का काल निर्धारण कीजिए। **[5]**

अथवा

'किरातार्जुनीयम्' नामकरण सार्थक है। सिद्ध कीजिए।

अथवा

'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

''भारवेरर्थ गौरवम्'' पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए?

इकाई–2

निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **[5]**

(i) इदं कविभ्यः पूर्वेभ्यो नमोवाकं प्रशास्महे।
विन्देम् देवतां वाचममृतामात्मनः कलाम्।।

अथवा

लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।

अथवा

जनकानां रघूणां च, सम्बन्धः कस्य न प्रियः।
यत्रदाता गृहीता च, स्वयं कुशिक नन्दनः।।

अथवा

ऋषीणामुग्रतपसां यमुनातीर वासिनाम्।
लवण त्रासितः स्तोमस्त्रातारं त्वामुपस्थितः।।

(ii) उत्तर रामचरित में वार्णित वीथी अंक की विशेषताओं का संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए। **[5]**

अथवा

क्या राम प्रजानुरंजक थे? इस कथन की संक्षिप्त व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

भवभूति प्रकृति के कठोर पक्ष के प्रतिपादक हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उत्तर रामचरित की नाटकीय विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

इकाई-3

दिए गए श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(i) विहगराजचिराय निषेव्यतामनुपमोविभवोऽयमिह त्वया। **[2½]**
इतिकुतूहल मात्र नियंत्रितं कलयते किलमाम कमन्तरम्।।

अथवा

बालेन्दु: किमयं विभाति न दिवा तत्कन्तिरेतादृशी
किं वा कैरविणी परं निशि हि सा जागर्ति संहासनी।
मूर्ति: किं कनकद्रवोपखचिता तस्या: कुतो विभ्रमा
इत्येनामवलोक्य कौतुकवशाच्चक्रेविकल्पान् जना:।।

(ii) निनादय नवीनामये वाणि! वीणाम्। **[2½]**
मृदुं गाय गीतिं ललित-नीति-लीनाम्।।
मधुर मञ्जरी-पिञ्जरीभूतमाला:।
वसन्तेलसन्तीह सरसा रसाला:।।
कलापा: ललित कोकलाकाकलीनाम्।
निनादय नवीनामये वाणि! वीणाम्।।

अथवा

अटता दक्षिणे देशे यत्नेन परिपश्यता।
निर्जनो निर्जलो ग्राम: प्रतिपन्नो महात्मना।।
कस्मिश्चिंद्विजने देशे सोऽपश्यत्काञ्चिदन्त्यजाम्।
जीर्णाम्बरधरां दीनां कर्शिताङ्गी मलीमसाम्।।

(iii) 'ऋतुवर्णनम्' के आधार पर वर्षा ऋतु का वर्णन संक्षेप में कीजिए। **[2½]**

अथवा

श्रीनिवासरथ का जीवन परिचय लिखिए।

(iv) वह कौन सी घटना थी जिसने मीरा को कृष्ण भक्ति की ओर उन्मुख किया? 'मीरा चरितम्' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2½]**

अथवा

वह कौन सी घटना थी जिसने महात्मा गांधी को कम वस्त्र धारण करने के संकल्प लेने को अभिप्रेरित किया? स्वातंत्र चिंता कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

इकाई–4

(i) रामायण और महाभारत हिन्दू धर्म के जातीय इतिहास हैं। इस कथन की विवेचना कीजिए। **[2½]**

अथवा

संस्कृत महाकाव्य का उद्‌भव तथा विकास निरूपित कीजिए।

(ii) महाकाव्य की दृष्टि से कुमार संभव की समीक्षा कीजिए। **[2½]**

अथवा

महाकाव्य की दृष्टि से किरातार्जुनीयम् की समीक्षा कीजिए।

(iii) 'माघ का काव्य सौष्ठव' विषय पर संक्षिप्त लेख लिखिए। **[2½]**

अथवा

संस्कृत के खण्ड काव्य का परिचय दीजिए।

(iv) बाण की गद्यरचना कादम्बरी की समीक्षा कीजिए। **[2½]**

अथवा

संस्कृत चम्पूकाव्यधारा के उद्‌भव और विकास पर लघु समीक्षा कीजिए।

इकाई-5

(i) संस्कृत साहित्य की रचना गद्य, पद्य में प्राप्त होती है उस शास्त्र को छन्द शास्त्र भी कहते हैं। अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। **[5]**

अथवा

वर्णों की व्यवस्था गणों के द्वारा निर्दिष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित छन्दों में से किन्हीं दो छन्दों की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए:

(1) अनुष्टुप

(2) इन्द्रवज्रा

(3) वंशस्थ

(4) उपजाति

अथवा

शब्दार्थयोः प्रसिद्धया वा कवेः प्रौढिवशेन वा।
हारादिवलंकारः सन्निवेशो मनोहरः।।
अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) उत्प्रेक्षा, विभावना अलंकार की सोदाहरण विवेचना कीजिए। **[5]**

अथवा

विशेषोक्ति, समासोक्ति अलंकार की परिभाषा टिप्पणी लिखिए।

अथवा

उपमा और उत्प्रेक्षा अलंकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रूपक और अतिशयोक्ति अलंकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

◆◆◆